IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, September 2025
Impact Factor: 7.67

अयोध्या राम मंदिर" का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

(Effect of Ayodhya Ram Mandir on Indian Economy)

डॉ. दिनेश प्रसाद

अर्थशास्त्र विभाग

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़, भारत

प्रस्तावना

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का न केवल भारत के लिए अत्यधिक सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव पड़ेगा। राम मंदिर का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव एक जटिल और अनुगामी घटना है। भारत के धार्मिक पर्यटन में एक बड़ा बदलाव का अनुभव प्रतीत हो रहा है, जिससे राजस्व और दान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह देश के आर्थिक परिदृश्य में एक अनोखा कार्य है।राम मंदिर के निर्माण से प्राथमिक उम्मीदों में से एक धार्मिक पर्यटन में वृद्धि होगी। अपितु देश और दुनिया भर के तीर्थयात्रियों में न केवल अयोध्या बल्कि आसपास के अन्य धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों पर भी आने की पूरी-पूरी संभावना है। जिससे अयोध्या में पर्यटकों की कुल संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।पर्यटकों की अधिक संख्या से अयोध्या और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों भी बड़े पैमाने पर संचालित होंगी। जिसमें होटल, रेस्टोरेंट, दुकानों सहित स्थानीय व्यवसायियों की मांग अधिक बढ़ेगी।कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के अनुसार अकेले प्रतिष्ठा समारोह से पूरे भारत में 1,00,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ, जिसमें अकेले उत्तरप्रदेश राज्य में वर्ष 2024–25 में 5,000 करोड़ रुपये तक का धन संग्रह का अनुमान है।राम मंदिर से परिवहन एवं संचलन व्यवस्था, हवाई यात्रा, रेलवे एवं सड़क मार्ग आदि का भी अधिक मात्रा में विस्तार होगा। जिससे स्थानीय व्यापारियों एवं आम जनता को रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे, जिससे न केवल स्थानीय सरकार को भी राजस्व की प्राप्ति होगी और यह राम मंदिर कार्यक्रम के अनुरूप कुशल एवं अकुशल श्रमिकों—जिनमें वास्तुकारों, शिल्पकारों और इंजीनियरों और विभिन्न प्रकार के पेशेवरों—को रोजगार देकर रोजगार सृजन का एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।